Doon Public School Bhuj

Class: VIII **Hindi Worksheet** **Date: 05/05/2020**

Topic – पाठ - 3. खुशी की तलाश **H.W**

लेखक : इटालो कैलविनो

पाठ का सार : यह कहानी इटली की एक लोककथा पर आधारित है | यह कथा इटली के एक राजा गिफ़ाड और उनके बेटे जोनाश के बारे में है | राजा गिफ़ाड एक शांतिपूर्ण और शक्तिशाली राज्य पर शासन करते थे | उनकी प्रजा उन्हें पूजती थी और पूरी तरह उन पर विश्वास करती थी | साम्राज्य बहुत सुखी था | राजा का एक युवा पुत्र था - जोनाश | वह बुद्धिमान, प्रतिभाशाली और आकर्षक था | वह कुछ दिनों से गहरी अप्रसन्नता की स्थिति में था | राजकुमार को अपने आस - पास होने वाली किसी भी घटना में कोई दिलचस्पी नहीं थी | राजा ने अनेक प्रयास किए परंतु राजकुमार की उदासी का कारण नहीं जान सके | बहुत विचार - विमर्श के बाद ज्योतिषियों ने एक हल निकाला | मुख्य ज्योतिषी जांकलो ने कहा, "महाराज ! हमें एक सुखी और संतुष्ट व्यक्ति ढूँढ़ना होगा | यदि उस व्यक्ति की कमीज राजकुमार को पहना दी जाए तो सब ठीक हो जाएगा |" कुछ दिनों के बाद सेवक एक पुजारी को लेकर आए जो स्वयं को संतुष्ट और सुखी बता रहा था | राजा ने उसके सामने शाही पुजारी बनाने की बात कहकर उसकी परीक्षा ली जिसमें पुजारी के मन का लालच सामने आ गया | उसके पश्चात सेवक ने एक सुखी राजा के बारे में बताया | गिफ़ाड राजा उस राजा से मिलने तो पता चला कि उसमें अधिक जीने की इच्छा है तो वह संतुष्ट नहीं है | दुखी होकर गिफ़ाड राजा एक दिन अपने दल के साथ शिकार पर गए और जंगल में रास्ता भटक गए | तभी उन्हें सीटी बजने की आवाज़ सुनाई दी | थोड़ी दूर जाने पर राजा ने देखा कि एक युवक पीठ के बल लेटा हुआ बादलों को निहार रहा था | राजा ने उसके सामने अपने राज्य का व्यक्तिगत सलाहकार नियुक्त करने का प्रस्ताव रखा | उस नवयुवक ने कहा कि वह जैसा है वैसा ही अच्छा है | राजा ने खुश होकर सोचा कि इससे ज्यादा खुश और संतुष्ट कोई हो ही नहीं सकता | ऐसा सोचकर राजा ने अपने हाथ उस युवक की कमीज़ के बटन खोलने के लिए आगे बढ़ाए फिर सहसा रुक गए क्योंकि युवक ने कमीज़ पहनी ही नहीं थी | राजा को अहसास हो गया कि खुशी को किसी और से खरीदा नहीं जा सकता | संतोष और खुशी तो हमारे मन में होते हैं |

(पाठ्यपुस्तिका अभ्यास)

बताइए - (Speaking Skills)

1. राजा गिफ़ाड के अपनी प्रजा से कैसे संबंध थे ?

उत्तर - राजा के अपनी प्रजा के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे | प्रजा उन्हें पूजती थी और उन पर विश्वास करती थी |

2. किन बातों से पता चलता है कि जोनाश उदास था ?

उत्तर - जोनाश शून्य दृष्टि से खिड़की के बहार देखता रहता था | राज्य में होने वाले समारोह या उत्सवों में रूचि नहीं दिखाता था | चेहरे पर अप्रसन्नता का भाव रहता था |

3. राजा ने क्या इश्तिहार लगवाए ?

उत्तर - राजा ने इश्तिहार लगवाए कि जो सुखी और संतुष्ट व्यक्ति के बारे में बताएगा उसे इनाम दिया जाएगा |

4. गिफ़ाड को पड़ोसी राजा के बारे में क्या सूचना मिली ?

उत्तर - राजा को सूचना मिली कि पड़ोसी राजा शक्तिशाली और शांतिपूर्ण राज्य का स्वामी है | वह पूर्ण रूप से सुखी है |

लिखिए - (Writing Skills)

क. कुछ शब्दों में -

1. जोनाश का व्यक्तित्व कैसा था ?

उत्तर - जोनाश बुद्धिमान, प्रतिभाशाली और आकर्षक युवक था परंतु वह अप्रसन्न रहता था |

2. राजा चिंतित क्यों था ?

उत्तर - राजा की चिंता का कारण जोनाश का अकारण उदास रहना था |

3. अपने पुत्र को ठीक करने के लिए राजा को क्या चाहिए था ?

उत्तर - अपने पुत्र को ठीक करने के लिए रजा को एक सुखी और संतुष्ट व्यक्ति की कमीज़ चाहिए थी |

ख. पाठांश -

1. राजा ने पुजारी से क्या पूछा ?

उत्तर - क्या आप शाही पुजारी बनना चाहोगे ?

2. पुजारी की क्या प्रतिक्रिया रही ?

उत्तर - पुजारी ने तुरंत शाही पुजारी का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया |

3. राजा क्रोधित क्यों हो उठा ?

उत्तर - पुजारी स्वयं को सुखी और संतुष्ट बता रहा था | वास्तव में उसके मन में लालसाएँ थी | यह जानकार राजा क्रोधित हो उठे |

प्रश्न - उत्तर (अधिकतम शब्दों में)

1. बेटे को प्रसन्न करने का उपाय जानने के लिए रजा ने किस - किससे परामर्श लिया ?

उत्तर - बेटे को प्रसन्न करने के लिए राजा ने अनेक चिकित्सकों, ज्योतिषियों और विद्वानों से परामर्श लिया |

2. क्या पड़ोसी राजा सुखी था ? कारण सहित बताइए |

उत्तर - पड़ोसी रजा सुखी नहीं था | उसे सदा भय बना रहता था कि वह शीघ्र मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा और उसका राजसी सुख व्यर्थ हो जाएगा |

3. राजा अपने दल से कैसे भटक गया ?

उत्तर - राजा अपने दल के साथ शिकार पर गए थे और एक खरगोश का पीछा करते - करते अपने दल से भटक गए |

4. इस कहानी को पढ़कर हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर - हमें शिक्षा मिलती है कि सुख एक मन की स्थिति है | असली सुख बाहरी सुख - सुविधाओं में नहीं है बल्कि मन की शांति में बसता है | बहुत छोटी वस्तु भी हमें सुख प्रदान कर सकती है और अपार दौलत के स्वामी होकर भी हम व्याकुल बने रह सकते हैं |

मूल्याधारित प्रश्न - (VBQ)

प्रश्न - हमारा आज का समाज सुविधाओं से भरा - पूरा है | फिर भी अधिकतर लोग तनावग्रस्त क्यों रहते हैं ?

उत्तर - सभी सुख - सुविधाएँ होते हुए भी लोग तनावग्रस्त रहते हैं क्योंकि वे दूसरों के सुख से अपने सुख की तुलना करते हैं | दूसरे लोग उन्हें खुद से अधिक सुखी लगते हैं | दूसरा कारण विज्ञान और तकनीक में उन्नति के कारण रोज बाज़ार में नए - नए उपकरण आते हैं जिससे लोगों को अपने घर का सामान पुराना लगने लगता है | इन्हीं कारणों से इन्सान दुखी होता है |

भाषा - मंजूषा : (Thinking Skills)

क. रेखांकित पदों का परिचय दीजिए |

1. राजा का एक युवा पुत्र <u>जोनाश</u> था |
2. <u>तुम्हारे</u> पास किस चीज़ की कमी है ?
3. उसने कमीज़ ही नहीं <u>पहनी हुई थी</u> |

उत्तर 1. - व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग

उत्तर 2. - पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन

उत्तर 3. - सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग

ख. समझिए और कीजिए - (तत्पुरुष समास)

1. राजकुमार - राजा का कुमार
2. सेना का पति - सेना का पति (प्रमुख)
3. दहनकुंड - दहन के लिए कुंड
4. धर्मयुद्ध - धर्म के लिए युद्ध
5. राष्ट्रपति - राष्ट्र का पति (प्रमुख)
6. घुड़सवार - घोड़े पर सवार
7. हवनकुंड - हवन के लिए कुंड
8. गंगास्नान - गंगा में स्नान